वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 254 मंगलवार 3 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@ पेज 2 पर

केन्द्रीय बजट पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेस ब्रीफिंग

नए बजटीय प्रावधानों का लाभ लेने के लिए राजस्थान पूरी तरह तैयार: भजनलाल

केन्द्रीय बजट में नए भारत की महत्वाकांक्षाओं के साथ अंतिम व्यक्ति की जरूरत का भी रखा पूरा ध्यान

छोटे उद्योगों के ग्लोबल बिजनेस हाउस बनने की राह होगी प्रशस्त

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 साल से देश वित्तीय अनुशासन और स्थायित्व के साथ विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को आत्मनिर्भर से विकसित, संभावनाओं से उपलब्धियों और संकल्प से सिद्धि की ओर ले जाने वाला बजट बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में नए भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति को आगे लाने की प्रतिबद्धता का भी पूरा ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय बजट पर सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति केन्द्रित इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और सर्विस सेक्टर पर फोकस बढ़ाने वाले प्रावधान किए गए हैं, इससे युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। एक लाख एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल, 1 लाख 50 हजार केयर गिवर्स और टूरिस्ट गाइड्स को कौशल प्रशिक्षण से भी युवाओं को फायदा मिलेगा।

प्रदेश के युवाओं को मिलेगा दोहरा लाभ

सीएम भजनलाल ने कहा कि प्रदेश में एवीजीसीएक्सआर पॉलिसी पहले ही लागू की जा चुकी है। अब माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में कंटेट क्रियेटर लैब्स की स्थापना से राजस्थान के युवाओं को दोहरा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बजट में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने, कृषि अवसंरचना एवं बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाने और जोखिम घटाने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

हैवी मशीनरी निर्माण के लिए प्रदेश में निवेश का किया आह्वान

शर्मा ने कहा यूरोप के साथ ऐतिहासिक समझौता होने के बाद इस बजट ने देश के छोटे-बड़े उद्योगों, मैन्युफैक्चरर्स, कारीगरों और कामगारों को वैश्विक बाजार में जगह बनाने के लिए नई दिशा दिखाई है। बायो फार्मा, केमिकल्स, टेक्सटाइल, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट जैसे क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने उद्योग जगत का आह्वान किया कि कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर की हैवी मशीनरी के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बजट में लाई गई विशेष योजना का लाभ लेते हुए राजस्थान के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अपनी इकाइयां लगाएं।

राजस्थान के सोलर सेक्टर को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में राजस्थान की संभावनाओं और आवश्यकताओं को पूरा स्थान मिला है। अक्षय ऊर्जा के लिए 30 प्रतिशत ज्यादा करीब 32 हजार 914 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसी प्रकार पीएम सूर्यघर योजना को 22 हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। सोलर ग्लास मैन्युफेक्चरिंग में प्रयोग आने वाले सोडियम एंटीमोनेट के आयात पर कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। बीईएसएस में उपयोग में आने वाले लीथियम आयन सेल बैटरी निर्माण में प्रयुक्त पूंजीगत सामानों के लिए कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। राजस्थान सौर ऊर्जा में पहले से ही अग्रणी प्रदेश है, अब इन प्रावधानों से प्रदेश के सौर ऊर्जा क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर प्रावधानों से प्रदेश होगा लाभान्वित

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में सेमीकंडक्टर नीति, एआईएमएल नीति और डेटा सेंटर नीति लागू की हैं। इसलिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, एआई मिशन, नेशनल क्वांटम मिशन, इलेक्ट्रोनिक कम्पोनेन्ट मेनुफेक्चरिंग स्कीम, डेटा सेंटर और क्लाउड सर्विसेज को दिए गए इंसेंटिव्स का फायदा लेते हुए सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर हब बनने के लिए प्रदेश पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि एसएमई विकास निधि और आत्मनिर्भर भारत टॉपअप छोटे उद्योगों के लिए बड़ी सौगात हैं। महात्मा गांधी स्वराज योजना और चैम्पियन एमएसएमई बनाने की पहल से राजस्थान के छोटे उद्योगों के ग्लोबल बिजनेस हाउस बनने की राह प्रशस्त होगी। मेगा टैक्सटाइल पार्क, टेक्सटाइल लेबर इंसेंटिव स्कीम और देशभर में 200 इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स को फिर से मजबूत करने की घोषणा भी राजस्थान की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में अवसंरचना विकास पर विशेष जोर देते हुए 12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे प्रदेश के शहरी ढांचे को मजबूत करने के लिए अधिक राशि मिल सकेगी। इनविट बॉन्डस, आरईआईटी और म्युनिसिपल बॉन्डस से मिलने वाले आर्थिक संबल से प्रदेश के शहर बड़े पैमाने पर लाभान्वित होने जा रहे हैं। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवश्य पधारिये । श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः धर्मलाभ उठाइये ।।

पदमपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026

भव्य मंगल प्रवेश

गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ

रविवार, 1 फरवरी 2026 • दोपहर 3.15 बजे

पद्मप्रभ मोक्ष कल्याणक महोत्सव

गुरूवार, 5 फरवरी 2026

श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर मिति फाल्गुण कृष्णा चतुर्थी संवत् 2082 तदानुसार गुरूवार, 5 फरवरी 2026 को भव्य पदमप्रभ मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव एवं पंच कल्याणक के पात्रों के निर्धारण का भव्य आयोजन होगा । सभी साधर्मी बन्धुओं से अनुरोध है कि सभी मांगलिक कार्यक्रमों में सपरिवार एवं इष्ठ मित्रों सहित पधार कर, धर्मलाभ प्राप्त करें एवं कार्यक्रम को भव्य बनावें।

'पधारो पदमपुरा बाड़ा'

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा) जयपुर में
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में एवं
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के पावन प्रेरणा से
नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी का भव्यातिभव्य श्री मज्जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव
दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने जा रहा है।

मांगलिक कार्यक्रम

रविवार, 1 फरवरी 2026

गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का
पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश दोपहर 3.15 बजे
(शिवदासपुरा मार्ग से)
तत्पश्चात् सायंकालीन वात्सल्य भोज

गुरूवार, 5 फरवरी 2026

प्रातः 7.30 बजे	:	नित्य नियम अभिषेक
प्रातः 8.15 बजे	:	निर्वाण पूजन एवं निर्वाण लाडू
प्रातः 10.15 बजे	:	भव्य खड़गासन प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक

निवेदक

प्रबंध समिति श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर

प्रबन्ध समिति – संरक्षक : श्री भागचन्द टोंग्या, निवाई – 9214078900, न्यायाधीश नगेन्द्र कुमार जैन काला – 9829061053, श्री राजेन्द्र के. गोधा – 9351251493, श्री रूपचन्द कटारिया, दिल्ली – 9871205252, श्री ज्ञानचन्द झांझरी – 9829013094 • अध्यक्ष : श्री सुधीर कुमार जैन, दौसा – 9414050432 • उपाध्यक्ष : श्री अनिल कुमार जैन – 9414337555, श्री महावीर कुमार अजमेरा कोटखावदा – 9929174404, श्री नेमीचन्द गंगवाल, निवाई – 9414866946, श्री सुभाष जैन पाटनी – 9829213514, श्री सुरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या – 9829063341, श्री सुरेशचन्द काला, चन्दलाई – 8560912735 • मानद मंत्री : श्री हेमन्त सोगानी – 9829064506 • संयुक्त मंत्री : श्री जितेन्द्र मोहन जैन एडवोकेट – 9828017429 • कोषाध्यक्ष : श्री राजकुमार कोठ्यारी – 9414048432 • सदस्य : श्री चौथमल भौंसा बड़जात्या, चाकसू – 9460554694, श्री गोविन्द जैन – 9828081188, श्री ज्ञानचन्द जैन, सोगानी – 9829092744, श्री हरिश चन्द्र जैन, पाटोदा – 9414075449, श्री कैलाश चन्द जैन, सोगानी – 9829062289, श्री महावीर कुमार पाटनी – 9414047344, श्री महेन्द्र कुमार जैन, अनोपड़ा – 9314501075, श्री महावीर प्रसाद पहाड़िया – 9829475081, श्री नगेन्द्र कुमार जैन, कानोता – 9414251259, श्री नरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या – 9414078372, श्री प्रेम चन्द छाबड़ा – 9414052412, श्री राज कुमार सेठी – 9829098098, श्री राजेश जैन गंगवाल – 9314503273, श्री संतोष कुमार जैन रांवका – 9351185559, डॉ. विमल कुमार जैन – 9414460694, श्री योगेश टोडरका – 9414771158

सदस्य साधारण सभा – श्री अरुण जैन बैनाड़ा, लालसोट – 9414053435, श्रीमती आशा देवी जैन – 9300784201, श्री अशोक कुमार छाबड़ा सी.ए. – 9413678383, श्री अशोक कुमार कासलीवाल – 9351622889, श्री अशोक कुमार कटारिया – 9414029202, श्री अशोक कुमार पाटनी – 9829097066, श्री भागचन्द अजमेरा – 9610954051, श्री भाग चन्द जैन, सिकन्दरा – 9982067009, श्री दुलीचन्द बिनायक्या – 9436003013, श्री धनु कुमार जैन – 9530399413, श्री जे. के. जैन – 9828017429, श्री कैलाश चन्द झांझरी – 9928010433, श्री करूण कुमार जैन अनोपड़ा, पदमपुरा – 9829621118, श्री महेन्द्र कुमार पाटनी – 9314651338, श्री महेश काला – 9829220151, श्री मुकेश जैन पुत्र श्री श्याम सुन्दर जैन – 9829010144, श्री मुकेश कुमार जैन एडवोकेट, अजमेर – 9828100123, श्री नाभि कुमार जैन – 9810191916, श्री प्रदीप कुमार जैन – 9829051671, श्री प्रकाश चन्द जैन – 9351386010, श्री प्रकाशचन्द सोनी – 9414558485, श्री राजेन्द्र बिलाला, मोहनबाड़ी – 9414073015, श्री राकेश जैन – 9829484888, श्री राजेश कुमार सेठी – 9414077525, श्री राजेन्द्र कुमार जैन, खेरवाल, दौसा – 8562840715, श्री सन्तोष कुमार सेठी, कलकत्ता – 9831076982, श्रीमती सरिता जैन – 04428331704, डॉ. शरद गोधा – 9413342591, डॉ. शीतलचन्द जैन – 9414783707, श्री सत्यनारायण जैनाड़वाल – 9828459248, श्री सुबोध कुमार जैन – 9414272466, श्री सुरेश चन्द गंगवाल, निमोडिया – 9829695125, श्री सुरेश चन्द सबलावत – 9828111101, श्री सुनिल जैन पोल्याका "बब्बल" – 9829054582, श्री सुनिल जैन राजू – 9829050369

महोत्सव कार्यालय
छतरीवाला संभाग, भट्टारक जी की नसियां, जयपुर
मो. : 94140 48432, 98290 64506

पदमपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति

(अन्तर्गत श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर, राजस्थान)

क्षेत्रीय कार्यालय
बाड़ा पदमपुरा, टोंक रोड, जयपुर
मो. : 90579 03365

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह संपन्न

50 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों का हुआ सम्मान

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा एवं तारा सेवा संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निचला खेरवाड़ा स्थित तहसील परिसर में स्थापित पेंशनर समाज भवन के सभागार में वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता पेंशनर समाज अध्यक्ष जीवतराम ननोमा ने की। मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल केंद्र के संरक्षक दिनेश जैन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पेंशनर समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरलीधर मेहता, महावीर इंटरनेशनल केंद्र के अध्यक्ष मुकेश कलाल एवं सचिव जितेंद्र जैन मंचासीन रहे। मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तारा सेवा संस्थान की आरती ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में 70 वर्ष से अधिक आयु के 50 से अधिक

पेंशनर, आम नागरिकों एवं महिलाओं को पगड़ी पहनाकर, उपर्णा ओढ़ाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा को इस सराहनीय कार्य में महत्वपूर्ण योगदान के लिए अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को मुख्य अतिथि दिनेश जैन, अध्यक्ष जीवतराम ननोमा, पेंशनर समाज के संरक्षक शांतिलाल व्यास, वरिष्ठ सदस्य कन्हैयालाल जैन एवं शंकरलाल पंचाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरलीधर मेहता तथा तारा सेवा संस्थान की कार्यक्रम समन्वयक आरती चित्तौड़ा ने संबोधित किया। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों को संस्थान द्वारा किए गए सेवा कार्यों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। समारोह में महावीर इंटरनेशनल केंद्र के उपाध्यक्ष पुष्कर पंचोली, संयुक्त सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष अल्पेश जैन, पूर्व अध्यक्ष हेमचंद लबाना, निर्मल गांधी, बसंत कोठारी, अर्जुन पंचाल, मुकेश जैन, तारा सेवा संस्थान के प्रकाश पटेल, ऋषि वैष्णव, विलियम रोड्रिग्स, पेंशनर समाज के संरक्षक शांतिलाल व्यास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरलीधर मेहता, कोषाध्यक्ष शांतिलाल पंचोली सहित महावीर इंटरनेशनल, पेंशनर समाज एवं तारा सेवा संस्थान के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आरती चित्तौड़ा द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन मीना साहू ने किया।

राजस्थान जैन साहित्य परिषद की विचार गोष्ठी में सम्यक चारित्र की उपादेयता पर प्रकाश

ज्ञान और दर्शन को क्रियान्वित कर कर्मों का नाश करता है सम्यक चारित्रः डॉ. माधुरी जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन साहित्य परिषद द्वारा शनिवार सायंकाल संघीजी के मंदिर, मनिहारों का रास्ता, जयपुर में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय ''दंसण-णाण-चारित्ताणं उवओगिया'' (दर्शन एवं ज्ञान के साथ चारित्र की उपादेयता) रहा। विषय की मुख्य वक्ता डॉ. माधुरी जैन थीं। विचार गोष्ठी का शुभारंभ जिनेंद्र देव के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। परिषद के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि वक्ताओं ने आचार्य समन्तभद्र, दौलतराय, नेमिचंद्र एवं उमास्वामी आदि आचार्यों के ग्रंथ तत्त्वार्थसूत्र, रत्नकरण्डक श्रावकाचार, छहढाला तथा इष्टोपदेश के उद्धरणों के माध्यम से विषय को स्पष्ट किया। गोष्ठी में आलोचना पाठ, मेरी भावना, बारह भावना आदि के पद्यों के साथ मूलगुण, लेश्या, कर्म, तत्त्व, गुणस्थान आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही राजा श्रेणिक, रानी चेलना, नीलांजना तथा दीवान अमरचंद जैसे आदर्श पात्रों के चरित्रों का उल्लेख करते हुए ''दर्शन एवं ज्ञान के साथ चारित्र की उपादेयता'' को श्रोताओं के समक्ष सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। डॉ. माधुरी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जैन दर्शन में सम्यक दर्शन (सच्ची श्रद्धा) एवं सम्यक ज्ञान (सही समझ) के साथ सम्यक चारित्र (आचरण) की उपयोगिता मोक्ष प्राप्ति के लिए अनिवार्य है। ज्ञान और दर्शन आत्मबोध कराते हैं, जबकि चारित्र उन ज्ञान-दर्शन को व्यवहार में उतारकर कर्मों का नाश करता है। इसी से जीव कर्ममुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। परिषद के मंत्री महावीर चांदवाड़ ने बताया कि विषय पर वैभव जैन, आयुष जैन, सीए विकास जैन, पारस सोगानी, डॉ. विमल जैन एवं पं. रमेश गंगवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में महेश चांदवाड़, ए.पी. जैन, शास्त्री अमित जैन, प्रद्युम्न जैन, सुदर्शन पाटनी, सतीश खण्डाका, हरकचंद बड़जात्या सहित जैन छात्रावास के अनेक युवा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में मंदिर मंत्री विपिन बज ने परिषद के पदाधिकारियों का आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

जैन मिलन राघौगढ़ द्वारा आयोजित स्वर्ण प्राशन टेबलेट सेवन शिविर संपन्न

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। जैन समाज राघौगढ़ के तत्वावधान में जैन मिलन शाखा राघौगढ़ द्वारा पुष्य नक्षत्र की पावन बेला में 6 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों हेतु स्वर्ण प्राशन टेबलेट सेवन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का भव्य शुभारंभ आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। जैन मिलन राघौगढ़ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। जैन मिलन शाखा मंत्री विकास कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में जैन समाज के 35 बच्चों को आयुर्वेदिक पद्धति के अनुसार स्वर्ण प्राशन टेबलेट का सेवन कराया गया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पत्रकार विजय कुमार जैन, जैन समाज राघौगढ़ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अशोक कुमार भारिल, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री शीतलचंद कठारी, शिविर संयोजक वीर रुपेश चौधरी, जैन मिलन के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश कुमार जैन (कॉन्ट्रैक्टर), युवा मिलन के कोषाध्यक्ष संजय जैन सहित विपिन जैन, आशीष रावत, अनिल जैन एवं पवन जैन उपस्थित रहे। महिला जैन मिलन की ओर से विजय देवी जैन, राजेश्वरी चौधरी, अनीता जैन, रीना जैन, आकृति जैन एवं चंचल श्रीमाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थीं।

वेद ज्ञान

स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

उच्चतम न्यायालय द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने के निर्देश केवल प्रशासनिक आदेश नहीं हैं। यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जहां आज भी इस विषय को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न है। भारत जैसे देश में, जहां संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, लाखों छात्राओं का असुरक्षित परिस्थितियों में पढ़ाई करना व्यवस्था की विफलता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राएं न केवल संक्रमण का शिकार होती हैं, बल्कि शर्म और भय के कारण नियमित रूप से विद्यालय आने से भी कतराती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी तौर पर विद्यालय छोड़ने (ड्रॉपआउट) का मुख्य कारण बन जाती है। अध्ययन दर्शाते हैं कि उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियां हर महीने कई दिनों तक शिक्षा से वंचित रहती हैं। यह अनुपस्थिति सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जहां लड़कों की शिक्षा निर्बाध चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की मूल भावना के विरुद्ध है। अदालत का यह फैसला उस धारणा को तोड़ता है कि सैनिटरी पैड या स्वच्छ शौचालय कोई 'अतिरिक्त सुविधा' हैं। वास्तव में, ये आवश्यक अधिकार हैं। जब किसी छात्रा को असुरक्षित साधनों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़ता है, तो यह उसकी मानवीय गरिमा पर चोट है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार को आत्मसम्मान और सुरक्षा के साथ जीने का अधिकार सुनिश्चित करता है। अतः, मासिक धर्म स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य का संवैधानिक उत्तरदायित्व है।

संपादकीय

आर्थिक सुधारों की नई दिशा और भविष्य का मार्गचित्र

केंद्र की भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि वह चुनावों को ध्यान में रखकर अपना लेखा-जोखा तैयार करती है। हालांकि, वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट ने इस धारणा को बदलते हुए एक ठोस आर्थिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2014 से सत्ता में आने के बाद से यह सरकार निरंतर आर्थिक सुधारों की पक्षधर रही है और यह नया बजट उसी दिशा में एक साहसिक कदम दिखाई देता है। वित्त मंत्री ने इस बार राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 4.3 प्रतिशत निर्धारित कर महंगाई पर नियंत्रण पाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी योजना ह्यवीबी-जी राम जीह्व के लिए 95,000 करोड़ रुपये का विशाल आवंटन किया है, जबकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लिए 30,000 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की सोच के साथ, बजट में सात नए उच्च गति रेल गलियारों और 20 नए जल मार्गों को विकसित करने की घोषणा की गई है। इसके अतिरिक्त, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के विशेष उपाय किए गए हैं और बैटरी के दाम कम कर चल-दूरभाष (मोबाइल) एवं विद्युत-वाहन क्षेत्र को बड़ी राहत दी गई है। औद्योगिक विस्तार के लिए बड़े वस्त्र उद्योग उद्यान, चार दक्षिणी राज्यों में खनिज गलियारे और तीन रसायन उद्यानों का निर्माण किया जाएगा। लघु उद्योगों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की सहायता राशि की घोषणा के बावजूद, शेयर बाजार के लिए यह बजट उत्साहजनक नहीं रहा। रविवार को विशेष सत्र के रूप में खुले बाजार ने बजट भाषण समाप्त होते-होते 3,000 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की। अंततः संवेदी सूचकांक 1,546.84 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस गिरावट का मुख्य कारण वायदा कारोबार पर 'प्रतिभूति लेनदेन कर' में की गई वृद्धि को माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि तकनीक के माध्यम से भारतीय कला, रूपरेखा (डिजाइन), वेशभूषा, चलचित्र, संगीत और डिजिटल सामग्री को वैश्विक स्तर पर विस्तार दिया जा सकता है। इसी 'सृजनात्मक अर्थव्यवस्था' को बढ़ावा देने के लिए मुंबई के 'भारतीय सृजनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान' के माध्यम से 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 महाविद्यालयों में 'सामग्री निर्माण प्रयोगशाला' स्थापित करने का प्रस्ताव है। सजीव चित्रण (एनीमेशन), दृश्य प्रभाव, खेल और चित्रकथा क्षेत्र में वर्ष 2030 तक 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार ने जैविक-औषधि क्षेत्र को 10,000 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया है। साथ ही, मधुमेह और कर्क रोग (कैंसर) जैसी गंभीर बीमारियों की 36 दवाओं को सस्ता कर आम जनता को बड़ी राहत दी गई है। तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान बनाने की योजना देश को एक 'चिकित्सा केंद्र' के रूप में स्थापित करने की है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आत्महत्या रोकथाम: व्यक्तिगत संकट नहीं, अब वैश्विक प्राथमिकता की मांग

किशन सनमुखदास भावनानी

मानव सभ्यता की प्रगति के साथ-साथ आज मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जटिलताएं भी तेजी से बढ़ी हैं। इन्ही जटिलताओं का एक काला पक्ष 'आत्महत्या' है। इसे अब केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय मानकर टाला नहीं जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में हर साल लगभग 7 लाख लोग अपनी जीवनलीला समाप्त कर लेते हैं, यानी हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति। यह एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट है, जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सामूहिक चर्चा और ठोस नीतियों की मांग करता है। आत्महत्या अचानक लिया गया निर्णय नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होती है। रिपोर्ट के अनुसार, 77% आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। अवसाद, नशे की लत, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी और युवाओं पर भविष्य का बढ़ता दबाव इसके मुख्य कारण हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो लिथुआनिया और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में आत्महत्या की दर सर्वाधिक है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं, जिनमें दैनिक वेतनभोगी, छात्र और किसान प्रमुख हैं। भारत सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए 'राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति' की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य 2030 तक मृत्यु दर में 10% की कमी लाना है। आत्महत्या को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रणनीति चार प्रमुख स्तंभों पर टिकी है: **हानिकारक साधनों की उपलब्धता कम करना:** जैसे कीटनाशकों और दवाओं पर नियंत्रण। श्रीलंका ने कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाकर आत्महत्या दर में 70% की कमी की है। **जिम्मेदार समाचार प्रकटीकरण:** आत्महत्या की खबरों को सनसनीखेज बनाने से रोकना। **युवाओं का कौशल विकास:** किशोरों में सामाजिक और भावनात्मक मजबूती विकसित करना। **समय पर पहचान और सहायता:** सहायता केंद्र और परामर्श सेवाओं का विस्तार।

मानसिक स्वास्थ्य पर खुला संवाद आत्महत्या की दर को 20% तक कम कर सकता है। समाज में व्याप्त 'कलंक' और 'शर्म' के कारण पीड़ित व्यक्ति मदद मांगने से कतराता है।

हमें यह समझना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएं और परामर्श सेवाएं अनिवार्य होनी चाहिए। इस आधुनिक युग में 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' पर आधारित सहायता केंद्र और ऑनलाइन परामर्श संकट के समय में जीवन रक्षक सिद्ध हो सकते हैं।

निष्कर्ष आत्महत्या एक जटिल चुनौती है, जिसका समाधान केवल कानूनों से नहीं, बल्कि सहानुभूति और सामूहिक प्रयासों से संभव है। प्रत्येक देश को इसे अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। 10 सितंबर को 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' हमें याद दिलाता है कि एक सजग समाज और संवेदनशील परिवार कई अनमोल जिंदगियां बचा सकता है। अब समय आ गया है कि हम आत्महत्या के प्रयास करने वालों को अपराधी नहीं, बल्कि उपचार और सहानुभूति का हकदार समझें।

“धर्मातयन” मंदिर की प्रथम वर्षगाँठ पर भव्य शोभायात्रा, 8 दिवसीय समयसार विधान का शुभारंभ

जबलपुर. शाबाश इंडिया

संस्कारधानी के गोलबाजार स्थित श्री महावीर स्वामी मार्ग पर नवनिर्मित दिगंबर जिन मंदिर ₹धर्मातयन₹ की प्रथम वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में रविवार को धार्मिक उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर समूचा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

ध्वजारोहण और अनुष्ठान का प्रारंभ

मंदिर की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में 1 फरवरी से 8 फरवरी 2026 तक 'श्री समयसार महामंडल विधान' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन मंडल अध्यक्ष अशोक जैन, पंडित राजेंद्र जैन एवं पयालवाला परिवार द्वारा मंत्रोच्चार के साथ जिनशासन का ध्वजारोहण किया गया। यह 8 दिवसीय अनुष्ठान जैन दर्शन और आत्मकल्याण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विद्वानों का सानिध्य और धर्म प्रभावना

जैन युवा फेडरेशन के धर्मप्रचारक नितिन जैन ने बताया कि इस महामंडल विधान में देश के विभिन्न प्रांतों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हो रहे हैं। इस अनुष्ठान को संपन्न कराने के लिए नागपुर से पंडित विपिन शास्त्री, भोपाल से अनिल धवल, डॉ. मनोज जैन और ब्र. श्रेणिक जैन जैसे प्रतिष्ठित विद्वानों का मंगल सानिध्य प्राप्त हो रहा है। विद्वानों के व्याख्यानों से आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा और बढ़ गई है।

साझा प्रयासों से भव्य आयोजन

इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए श्री वीतराग विज्ञान मंडल, जैन युवा फेडरेशन और त्रिशला महिला मंडल के सदस्य पिछले कई महीनों से जुटे हुए थे। प्रमुख आयोजकः अशोक जैन, संजय जैन, सुशील जैन और अनुभव जैन। युवा नेतृत्वः अभिषेक जैन (अध्यक्ष, फेडरेशन), अखिलेश जैन, संदीप जैन और विशाल जैन।

फेडरेशन के अध्यक्ष अभिषेक जैन ने कहा कि यह आयोजन न केवल मंदिर की वर्षगाँठ को स्मरणीय बनाएगा, बल्कि समाज में धर्म और संस्कारों की जड़ें भी मजबूत करेगा। आयोजकों ने सभी धमार्नुरागी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस आध्यात्मिक अवसर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

फागी से मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वस्तिधाम जहाजपुर के दर्शनार्थ 301 यात्रियों का दल रवाना

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे से आज मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वस्तिधाम, जहाजपुर के दर्शनार्थ पाँच बसों एवं सात-आठ कारों द्वारा कुल 301 यात्रियों का दल रवाना हुआ। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने सहभागिता करते हुए जानकारी दी कि उक्त दल ने स्वस्तिधाम जहाजपुर पहुँचकर मूलनायक भगवान श्री मुनिसुव्रतनाथ के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। अग्रवाल मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल कुमार एवं श्रीमती सुनिता कठमाना की 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ के

उपलक्ष्य में क्षेत्र पर मुनिसुव्रतनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया। पंडित विष्णु कुमार जैन के निर्देशन में विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ 101 पूज्यार्थियों ने 130 श्रीफलों द्वारा अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। राजाबाबू गोधा ने बताया कि इससे पूर्व कठमाना परिवार की ओर से बोली के माध्यम से प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। वर्षगांठ समारोह के अंतर्गत दोपहर में हल्दी एवं मेहंदी तथा सायंकाल रिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों एवं रिश्तेदारों ने सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी, महावीर प्रसाद, रामवतार, नवरत्न प्रेमचंद, कमलेश कुमार, शिखरचंद, गणेश कुमार, बबलू, मुकेश, विनोद, विशाल एवं पंकज कठमाना सहित कठमाना परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही सकल दिगम्बर जैन समाज के विनोद कलवाड़ा, महावीर मोदी, गिरीराज झराना, संजय लदाना, त्रिलोक पीपलू, मितेश लदाना, पारस मोदी, महेश बावड़ी, मुकेश गिंदोंडी, विनोद मोदी, राजकुमार मांदी, जीतू कासलीवाल, विमल कलवाड़ा, मुकेश नला, मनीष गोधा, सुनील बजाज, पंकज कलवाड़ा, जम्बू बजाज, विनोद नला, राहुल पंसारी एवं व्यापार मंडल महासंघ फागी के अध्यक्ष कुलदीप श्रीमाल सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राजाबाबू गोधाः जैन महासभा, मीडिया प्रवक्ता, राजस्थान

जे.के. जैन अध्यक्ष एवं ज्ञान बिलाला मंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ की समाज समिति के चुनाव उपरांत नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। चुनाव अधिकारी उमेश जैन, शैलेन्द्र छाबड़ा एवं सुरेश जैन द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष पद पर जे.के. जैन, उपाध्यक्ष लोकेश सोगानी, मंत्री ज्ञान बिलाला, कोषाध्यक्ष हेमेन्द्र सेठी, संगठन मंत्री सुनील जैन गंगवाल एवं उप संगठन मंत्री राजेन्द्र सोनी को शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही महावीर शिक्षा समिति के अध्यक्ष उमराव माल सांघी द्वारा कार्यकारिणी सदस्य अरविंद गंगवाल, राकेश चांदवाड़, सुनील गोधा, अनिल जैन, नवीन बाकलीवाल, अभिषेक जैन ''बिट्टू'' एवं दिनेश जैन को भी शपथ दिलाई गई। इससे पूर्व मुख्य अतिथि महावीरझशशि पहाड़िया ने भगवान महावीर के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। संगठन मंत्री सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि अध्यक्ष जे.के. जैन ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व अध्यक्ष एम.पी. जैन एवं समाज के वरिष्ठजनों ने समाज को एकजुट रखते हुए मंदिर के विकास हेतु नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में मंत्री ज्ञान बिलाला ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच संचालन पूर्व अध्यक्ष अशोक जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर महावीर बाकलीवाल, भागचंद जैन खेड़ली, कैलाश सेठी, संतोष कासलीवाल, अजीत जैन (बी.ओ.बी.), पदम जैन (भरतपुर), जिनेश जैन, विनोद छाबड़ा, सुरेश जैन (बंदी कुई) सहित विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष, मंत्री एवं समाजजन उपस्थित रहे।

एयू जयपुर मैराथन 2026: मुख्यमंत्री ने किया 'फ्लैग ऑफ'

An Initiative By

32 देशों के 1 लाख धावकों के साथ दौड़ा गुलाबी शहर

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार की अल सुबह जयपुर की सड़कों पर उत्सव जैसा माहौल रहा। अवसर था एयू जयपुर मैराथन 2026 का, जहाँ संस्कृति, फिटनेस और खेल भावना का अनूठा संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस भव्य आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया। मैराथन में 32 देशों के प्रतिनिधियों सहित 1 लाख से अधिक धावकों ने भाग लेकर जयपुर को स्वास्थ्य और फिटनेस के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित कर दिया।

मुख्यमंत्री का संदेश: 'स्वस्थ राजस्थान' की ओर कदम

धावकों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह आयोजन केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि स्वस्थ राजस्थान के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि फिटनेस अब हमारी जीवनशैली बन रही है। इस अवसर पर फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन ने स्वयं 21 किमी की हाफ मैराथन में दौड़कर युवाओं का जोश बढ़ाया।

दो विश्व रिकॉर्ड्स ने बनाया इतिहास

इस वर्ष का मैराथन दो बड़े विश्व रिकॉर्ड्स का साक्षी रहा: वंदे मातरम् गायन: विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत का गायन किया गया, जो किसी भी खेल आयोजन में पहली बार हुआ।

विज्ञान प्रयोग: मां-द सेंटर ऑफ बैलेंस विषय पर एक अनूठा विज्ञान प्रयोग कर दूसरा विश्व रिकॉर्ड बनाया गया, जिसने इस आयोजन को शैक्षणिक और सामाजिक महत्व भी प्रदान किया।

समावेशी और सुरक्षित आयोजन

आयोजन में विशेष रूप से सक्षम बच्चों और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण लोगों ने भी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जो सामाजिक एकता की एक बड़ी मिसाल बनी। आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा और मुकेश मिश्रा ने बताया कि चिकित्सा सहायता, जलपान और यातायात प्रबंधन की सुचारू व्यवस्था के कारण सभी दौड़ें समय पर संपन्न हुईं। बॉलीवुड अभिनेत्री इशिता राज ने भी उपस्थित होकर धावकों का हौसला बढ़ाया।

संस्कृति युवा संस्था और वर्ल्ड ट्रेड पार्क द्वारा आयोजित इस 17वें संस्करण ने यह सिद्ध कर दिया कि जयपुर अब केवल विरासत का ही नहीं, बल्कि खेल और स्वास्थ्य जागरूकता का भी राष्ट्रीय केंद्र बन चुका है। अंत में, मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ. नरेश पुरी जी महाराज ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए शहर में इस प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा के संचार की सराहना की।

एयू जयपुर मैराथन

''माँ-द सेंटर ऑफ बैलेंस'' के माध्यम से रचा गया नया इतिहास

जयपुर. शाबाश इंडिया

एयू जयपुर मैराथन के मंच पर इस वर्ष केवल दौड़ ही नहीं, बल्कि विज्ञान का भी चमत्कार देखने को मिला। ''माँ-द सेंटर ऑफ बैलेंस'' विषय पर आधारित एक अभूतपूर्व सामूहिक विज्ञान प्रयोग का सफल आयोजन कर जयपुर ने वैश्विक स्तर पर अपनी विशेष पहचान दर्ज की है। इसे एक ही स्थान पर संपन्न होने वाला विश्व का सबसे बड़ा सामूहिक विज्ञान प्रयोग माना जा रहा है।

5,000 युवाओं ने प्रदर्शित किया संतुलन का विज्ञान

प्रसिद्ध वैज्ञानिक और दो बार के विश्व कीर्तिमान धारक डॉ. आशीष दत्त शर्मा के नेतृत्व में इस अनूठी पहल को अंजाम दिया गया। ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल परिसर में 5,000 से अधिक युवाओं ने एक साथ 'सेंटर ऑफ मास' यानी द्रव्यमान केंद्र के संतुलन का सफल प्रयोग किया। प्रयोग के लिए पक्षी मॉडल और प्रतीकात्मक 'माँ' कुंजी-पटल (की-चेन) का उपयोग किया गया। इसके माध्यम से भार संतुलन की वैज्ञानिक अवधारणा को अत्यंत सरल और भावनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। मात्र दो मिनट के इस प्रयोग ने सिद्ध किया कि विज्ञान और शिक्षा को सामूहिक सहभागिता से कितना प्रभावी बनाया जा सकता है।

शैक्षणिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी

इस भव्य आयोजन में एम्बिशन किड्स एकेडमी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने पूर्ण अनुशासन के साथ भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अलका जैन ने कहा, ''ऐसे नवाचार बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास जगाते हैं। हमें गर्व है कि हमारा विद्यालय परिवार इस ऐतिहासिक प्रयास का हिस्सा बना।''

विज्ञान और फिटनेस का संगम

प्रयोग की सफलता के पश्चात प्रतिभागियों ने 6 किलोमीटर की दौड़ में भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. मनीष जैन ने सभी स्वयंसेवकों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से सीमा झालानी और डॉ. करण चंदवानी की टीम को इस अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाई दी। यह आयोजन एयू जयपुर मैराथन के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ, जहाँ शारीरिक दक्षता के साथ-साथ बौद्धिक कौशल का भी अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला।

इन्दौर: जबरी बाग नसियां मंडल की श्रेष्ठ रचना को सामाजिक संसद ने किया पुरस्कृत

इन्दौर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद, इन्दौर द्वारा आज महावीर बाग में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'दशलक्षण पर्व' के दौरान श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जबरी बाग नसियां मंडल द्वारा तैयार की गई विशेष धार्मिक रचना को 'श्रेष्ठ रचना' के रूप में चयनित कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान नसियां समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री महेंद्र कुमार जैन को उनकी उत्कृष्ट सेवा और मंडल की उपलब्धि के लिए सुधीर जैन 'सरल' द्वारा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सामाजिक संसद के इस निर्णय की सकल जैन समाज ने सराहना की है।

भदलपुर में शीतलनाथ भगवान के पंचकल्याणक महोत्सव का भव्य शुभारंभ

भदलपुर (इटखोरी). शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 10वें तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री शीतलनाथ भगवान की पावन जन्मभूमि इटखोरी में भव्य पंचकल्याणक महा महोत्सव का मंगल आगाज हुआ। 1 फरवरी से 6 फरवरी तक चलने वाले इस छह दिवसीय महोत्सव में कोडरमा सहित देशभर से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होने पहुंचे हैं।

आचार्य संघ का मंगल प्रवेश और अनुष्ठान

महोत्सव का शुभारंभ आचार्य श्री 108 भद्रबाहु सागर जी महामुनिराज के भव्य मंगल प्रवेश के साथ हुआ। यह आयोजन जैन गणिनी प्रमुख आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी (अयोध्या) की प्रेरणा और आशीर्वाद से संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन महिलाओं द्वारा भव्य घट यात्रा निकाली गई, जिसके बाद भूमि शुद्धि, पंडाल शुद्धि और इंद्र प्रतिष्ठा जैसे विधान किए गए। सजे हुए दिगंबर जैन मंदिर परिसर की मनमोहक छटा श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रही है।

आध्यात्मिक संदेश और सांस्कृतिक आयोजन

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा और पंचकल्याणक के दर्शन से असीम पुण्य की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम के महामंत्री सुरेश जैन झांझरी ने बताया कि आयोजन में झारखंड के अतिरिक्त देश के विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालुओं का आवागमन जारी है। संध्याकालीन सत्र में महाआरती के साथ माता की गोद भराई और अष्ट कुमारी कन्याओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार जैन अजमेरा ने बताया कि यह महोत्सव धर्म, संस्कार और श्रद्धा का एक अनुपम संगम बन गया है।

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल की कर्मठ प्रकोष्ठ मंत्री

श्रीमती संगीता जी एवं श्री गजेंद्र जी

को 25th वैवाहिक वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

शुभेच्छु: शकुंतला जैन बिंदायका: अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव मधु जैन:
कोषाध्यक्ष एवं समस्त सदस्य दिगम्बर
जैन महासमिति महिला अंचल

दिगम्बर जैन संगिनी फॉरएवर ग्रुप की कर्मठ सदस्य

श्रीमती विनीता जी एवं श्री प्रमोद जी

को वैवाहिक वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

शुभेच्छु
शकुंतला जैन बिंदायका अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव
उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

1008 मंत्रों से गूंजी नसियां जी, 25 परिवारों ने सामूहिक शांतिधारा कर अर्जित किया पुण्य

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसियां में रविवार को भक्ति और शक्ति का अपूर्व संगम देखने को मिला। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित इस महोत्सव में मुनि श्री 108 अरहसागर जी एवं मुनि श्री 108 सुहितसागर जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। 1008 मंत्रों के साथ की गई वृहद शांतिधारा ने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

ध्वजारोहण के साथ महोत्सव का मंगल आगाज

समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने जानकारी दी कि कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ ध्वजारोहण से हुआ। ध्वजारोहण का सौभाग्य श्री जम्बू कुमार, मनीष और शाश्वत जैन रांवका परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात मंत्रोच्चार के बीच वृहद शांतिधारा प्रारंभ हुई, जिसमें श्रावक-श्राविकाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म-लाभ लिया।

पुण्यार्जक परिवारों का उत्साह

इस विशेष अनुष्ठान में ब्यावर और आसपास के 25 पुण्यार्जक परिवारों ने सहभागिता की। शांतिधारा के दौरान रांवका, काला, कटारिया, काटीवाल, ठोलिया, बड़जात्या, अजमेरा, गदिया, छाबड़ा, पाटौदी, गोधा, कासलीवाल, धगड़ा, चौधरी, बाकलीवाल और सोनी परिवारों के सदस्यों ने भगवान का अभिषेक कर विश्व शांति की कामना की।

बाकलीवाल परिवार का विशेष बहुमान

कार्यक्रम के उपरांत अल्पाहार एवं आदिनाथ चैनल पर प्रसारण के पुण्यार्जक श्री जिनेन्द्र जी बाकलीवाल (ब्यावर-पुणे) एवं उनके समस्त परिवार का सम्मान किया गया। दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला और मंत्री विजय फागीवाला सहित कार्यकारिणी ने पुण्यार्जक परिवार को तिलक लगाकर, माला व साफा पहनाकर उनका बहुमान किया। समस्त दिगम्बर जैन समाज ने आयोजन की सफलता और आध्यात्मिक वातावरण के लिए मुनि संघ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से स्मरणीय रहा।

श्री महावीरजी के शिक्षाविद सियाराम मास्टर को दी गई भावभीनी विदाई

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

कस्बा स्थित नौरंगाबाद गांव के वरिष्ठ शिक्षाविद सियाराम मास्टर की सेवानिवृत्ति के अवसर पर रविवार को एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों एवं कस्बे के गणमान्य नागरिकों ने सियाराम मास्टर का सम्मान किया। इस अवसर पर सियाराम मास्टर को भगवान श्री महावीर स्वामी जी का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया तथा साफा एवं माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात बैंड-बाजे के साथ कस्बे में जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इससे पूर्व सियाराम मास्टर ने भगवान श्री महावीर स्वामी के दर्शन किए, जहां मंदिर समिति की ओर से उनका स्वागत किया गया। ग्रामीणों एवं उपस्थितजनों ने उनके शैक्षणिक कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें एक समर्पित एवं प्रेरणादायी शिक्षक बताया। समारोह में पूर्व चिकित्सा अधिकारी वेद बने सिंह गुर्जर, हुकम सिंह, वीरेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, भरोसी पटेल, सरपंच यादराम गुर्जर सहित दर्जनों ग्रामीण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पत्रकारिता जगत के कोहिनूर, 'वर्तमान के श्रवण कुमार' पारस जैन 'पार्श्वमणि' राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। देशभर में सामाजिक सेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित करने हेतु राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार-2026 का भव्य आयोजन गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित उन विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने शिक्षा, सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य, प्रशासन, कला, संस्कृति, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जैन युवा पत्रकार गौरव 'सर्वश्रेष्ठ संवाददाता अवॉर्ड' विजेता तथा विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर एवं अविस्मरणीय योगदान देने वाले राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन 'पार्श्वमणि' (कोटा) को यस इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी समर्पित पत्रकारिता, सामाजिक सरोकारों एवं मानवीय सेवाओं को देखते हुए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी पारस जैन पार्श्वमणि को जयपुर में राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आवास पर 13 जैन संतों एवं सैकड़ों गणमान्यजनों की उपस्थिति में वर्तमान का श्रवण कुमार की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सारिका जैन को सतयुग की नारी सम्मान प्रदान कर भावभीना अभिनंदन किया गया था। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में परम पूज्य भावलिंगी संत आचार्य 108 श्री विमर्श सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में, डॉ. रेणु जैन के निर्देशन में आयोजित संलेखना सेविका मिलन समारोह में भी पारस जैन पार्श्वमणि को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

अवधपुरी के श्री पद्मप्रभु जिनालय में वेदी शिलान्यास संपन्न

उपाध्याय विहसंत सागर महाराज का मिला सानिध्य

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के अवधपुरी स्थित श्री पद्मप्रभु जिनालय में रविवार को नवीन वेदी शिलान्यास समारोह अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। ध्यान गुरु (मेडिटेशन गुरु) उपाध्याय श्री 108 विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में समूचे आगरा नगर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

भक्तिमय शुभारंभ और ध्वजारोहण

महोत्सव का प्रारंभ प्रातः काल जिनेन्द्र देव के मंगल पाठ और शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात केसरिया ध्वज फहराने का सौभाग्य प्रकाशचंद जैन, रवि जैन एवं डॉ. शैलेंद्र जैन परिवार को प्राप्त हुआ। समारोह का दीप प्रज्ज्वलन विजय जैन परिवार द्वारा किया गया। पद्मप्रभु महिला मंडल की सदस्यों ने सुमधुर मंगलाचरण प्रस्तुत कर पूरे परिसर को भक्तिमय ऊर्जा से भर दिया।

नवीन वेदी का शिलान्यास

पंडित संदीप जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में विधि-विधान पूर्वक पूजन संपन्न हुआ। मूलनायक भगवान पद्मप्रभु की नवीन वेदी के शिलान्यास का मुख्य पुण्य सुमरचंद जैन पांडया एवं उनके परिवार (आशा, अंशु और सलोनी पांडया) ने अर्जित किया। उपाध्याय श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में वेदी निर्माण के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भक्तों को धर्म मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा दी। उपस्थित श्रावकों ने भी मंत्रोच्चार के बीच शिलाएं स्थापित कर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।

विशेष घोषणा: आदिनाथ पंचकल्याणक महोत्सव

समारोह के दौरान एक महत्वपूर्ण कड़ी में श्री सर्वतोभद्र जिनालय बलकेश्वर समिति द्वारा आगामी अप्रैल माह में प्रस्तावित भगवान आदिनाथ पंचकल्याणक महोत्सव की प्रथम पत्रिका का विमोचन किया गया। उपस्थित समाज ने इस आगामी आयोजन को भव्यता से सफल बनाने का संकल्प लिया।

सहयोग और आभार

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अनंत कुमार जैन ने किया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आगरा दिगंबर जैन परिषद, वात्सल्य सेवा समिति, नवकार युवा मंच और वीर सेवा महिला मंडल सहित विभिन्न स्थानीय संस्थाओं का विशेष सहयोग रहा।

मीडिया प्रभारी शुभम जैन के अनुसार, समारोह में रोहित जैन 'अहिंसा', पारस जैन 'कांसल', प्रवीण जैन, विवेक जैन और महिला मंडल की प्रतिनिधि कविता जैन, करुणा जैन सहित अवधपुरी एवं कलाकुंज जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने सभी दानदाताओं और सहयोगकर्ताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

भगवान पदमप्रभू के जयकारों के बीच गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश्या इंडिया

भारत गौरव, जहाजपुर स्वस्तिधाम तीर्थ प्रणेत्री गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उनकी अगवानी की।

प्रमुख कार्यक्रम और आयोजन 5 फरवरी: भगवान पदमप्रभू का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। इस दिन भगवान की खड्गासन प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक होगा।

18 से 22 फरवरी: नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पद्मबल्लभ शिखर पर कलश व ध्वजारोहण महोत्सव आयोजित होगा। पंचम पट्टाचार्य आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ (32 पिच्छीका) का निवाई से पदमपुरा के लिए मंगल विहार शुरू हो चुका है। उनके 8 फरवरी तक पदमपुरा पहुँचने की संभावना है। आर्यिका माताजी का भव्य स्वागत और धर्मसभापदमपुरा क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन (दौसा) एवं मानद मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने बताया कि आर्यिका माताजी शिवदासपुरा से विहार करते हुए पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय पहुँचीं। वहाँ से बैंड-बाजों और लवाजमे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। मंदिर जी पहुँचने पर पाद-प्रक्षालन और मंगल आरती की गई। धर्मसभा का शुभारंभ महावीर पहाड़िया परिवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और चित्र अनावरण से हुआ। कैलाश चंद माणक चंद रमेश ठोलिया परिवार (मॉडल टाउन) ने शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

माताजी का संदेश: 'श्रद्धा भाव से की गई भक्ति और विश्वास के साथ किया गया कार्य हमेशा फलदायी होता है।' माताजी ने सभी भक्तों से आगामी पंचकल्याणक महोत्सव में तन-मन-धन से सहयोग करने का आह्वान किया। आचार्य वर्धमान सागर महाराज का मंगल विहारआचार्य श्री ने सोमवार को निवाई के संत निवास नसियां जैन मंदिर से पदमपुरा के लिए विहार किया। विहार के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जयघोष करते हुए साथ चले। निवाई से चैनपुरा, विज्ञा तीर्थ गुन्शी, कौथून, चाकसू, शिवदासपुरा होते हुए आचार्य श्री का संघ 8 फरवरी को पदमपुरा में प्रवेश करेगा। पदमपुरा कमेटी के पदाधिकारियों (सुधीर जैन, हेमंत सोगानी, राजकुमार कोठ्यारी आदि) ने श्रीफल भेंट कर आचार्य श्री से आशीर्वाद लिया। मोक्ष कल्याणक महोत्सव (5 फरवरी) गुरुवार को भगवान पदमप्रभू का मोक्ष कल्याणक भक्ति भाव से मनाया जाएगा। प्रातः कालः अभिषेक, शांतिधारा और संगीतमय निर्वाण पूजा।

मुख्य आकर्षण: मोक्ष के प्रतीक के रूप में निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

सुबह 10:15 बजे से भगवान की खड्गासन प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक होगा। पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारियाँ (18-22 फरवरी) प्रतिष्ठाचार्य पं. हंसमुख जैन (धरियावद) के निर्देशन में होने वाले इस महोत्सव की तैयारियाँ जोरों पर हैं।

त्याग और संयम के बिना वैराग्य संभव नहीं: आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज

निवाई/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय संत, वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज का निवाई से अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के लिए भव्य मंगल विहार हुआ। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित इस विहार में सैकड़ों श्रद्धालु जयघोष करते हुए शामिल हुए।

विदाई समारोह और धर्मसभा

मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि विहार से पूर्व सोमवार दोपहर को आचार्य संघ 'संत निवास नसियां जैन मंदिर' में एकत्रित हुआ। यहाँ श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसके बाद आचार्य श्री ने धर्मसभा को संबोधित किया।

आचार्य श्री के अमृत वचन

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा: 'संसार और मोक्ष का संपूर्ण व्यवहार विश्वास, त्याग और तपस्या पर आधारित है। त्याग और संयम के बिना वैराग्य संभव नहीं है, और वैराग्य के बिना मोक्ष मार्ग की प्राप्ति नहीं हो सकती।'

उन्होंने आगे प्रेरणा देते हुए कहा कि: व्यसनों का त्याग करना और कषायों (क्रोध, मान, माया, लोभ) से दूर रहना ही धर्म है। वस्तु स्वरूप और मनुष्य, दोनों परिवर्तनशील हैं। कोई भी प्राणी पुरुषार्थ के बल पर पापात्मा से धर्मात्मा, अज्ञानी से ज्ञानी और संसारी से मुक्त (परमात्मा) बन सकता है।

प्रोफेसर रमेश रावत ने सिक्किम के 'प्राकृतिक ओंकार लिखित रुद्राक्ष' से किया गो-सेवकों का सम्मान

चौमूं. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रोफेसर (डॉ.) रमेश कुमार रावत ने चोमू शहर के गढ़ गणेश मंदिर स्थित गौशाला में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन गो-सेवा करने वाले गो-भक्तों एवं वरिष्ठ नागरिकों का सिक्किम के हिमालयी प्राकृतिक 'ओंकार लिखित पंचमुखी रुद्राक्ष' की कंठी पहनाकर अभिनंदन किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रोफेसर रावत ने बताया कि ये सभी रुद्राक्ष प्राकृतिक और मूल हैं, जो पक्षियों द्वारा गिराए गए या स्वयं पेड़ों से टूटकर गिरे हैं। उन्होंने शिव पुराण का संदर्भ देते हुए रुद्राक्ष की महिमा, इसे धारण करने की विधि और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रुद्राक्ष न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति का भी स्रोत है। प्रोफेसर रावत ने निम्नलिखित महानुभावों का रुद्राक्ष की कंठी पहनाकर सम्मान किया: महंत विश्वनाथ शर्मा (गढ़ गणेश मंदिर), बाल किशन शर्मा, कैलाश बालम, ओम प्रकाश गोयल, सावरमल माहेश्वरी, संतोष शर्मा। दामोदर शर्मा, अंकित अग्रवाल, गोकुल चंद अग्रवाल, मुरारी पारीक, चोथमल सैनी। बाबूलाल पारीक, बृजेंद्र शर्मा, रामबाबू झालानी, पप्पू शर्मा, शिवा राजपूत। पप्पू सैनी, अशोक शर्मा, जितेंद्र राठौड़, कमला जैन, हजारी लाल शर्मा और शैलेंद्र विजयवर्गीय।

'नशा एक जहर है, सिरसा को नशा मुक्त बनाना हम सबका नैतिक कर्तव्य': एसपी दीपक सहारण

ऐलनाबाद/सिरसा. शाबाश इंडिया

'नशा एक जहर है और इस जहर से अपने बच्चों को बचाना तथा सिरसा को नशा मुक्त बनाना हम सबका परम कर्तव्य है।' ये विचार पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपक सहारण ने नाथूसरी चौपटा थाना क्षेत्र के गांव राजपुरा साहनी में 'वरदान नशा मुक्ति केंद्र' के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एसपी दीपक सहारण ने कहा कि नशा एक ऐसी बीमारी है जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला कर देती है। उन्होंने जागरूक करते हुए कहा कि एक सभ्य समाज के निर्माण में नशा सबसे बड़ी बाधा और गंभीर चिंता का विषय है। एसपी ने बताया कि पुलिस और जिला प्रशासन नशे के खिलाफ निरंतर जोरदार अभियान चला रहे हैं, जिसके सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा: सिरसा को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के लिए जन-सहयोग अनिवार्य है। नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी को सुरक्षित किया जा सके। अभिभावकों से अपील करते हुए एसपी ने कहा कि बच्चों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताएं और ऐसी संगति से दूर रहने की सलाह दें जो नशे की आदी हो, क्योंकि 'संगति का प्रभाव आना स्वाभाविक है।' उन्होंने आह्वान किया कि समाज का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते पुलिस की इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

जिनागमपंथी श्रावक संघ सहारनपुर का 20वाँ साप्ताहिक सामूहिक जिनाभिषेक संपन्न

सहारनपुर. शाबाश इंडिया

भावलिंगी संत, आदर्श महाकवि, राष्ट्रयोगी, श्रमणाचार्य गुरुदेव श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज के मंगल निर्देशन में आज दिनांक 01 फरवरी 2026 को जिनागमपंथी श्रावक संघ, सहारनपुर का 20वाँ (बीसवां) साप्ताहिक सामूहिक जिनाभिषेक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह धार्मिक आयोजन श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर जी, वीर नगर (जैन बाग), सहारनपुर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम प.पू. जागृतकारी संत आचार्य श्री 108 नयनसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में सानंद एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आचार्य श्री के सान्निध्य में उपस्थित सभी श्रावकों ने भक्ति भाव के साथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्म लाभ प्राप्त किया। अभिषेक के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के सम्मुख सामूहिक रूप से गुरु वंदना प्रस्तुत की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। जिनागमपंथी श्रावक संघ सहारनपुर परिवार ने कार्यक्रम में पधारे सभी श्रावक भाइयों का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया। साथ ही, व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए मंदिर समिति के सदस्यों का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में अजय जैन, दीपक जैन, नीरज जैन, अतुल जैन, नितिन जैन, पंकज जैन, सुशील जैन एवं समस्त मंदिर समिति का विशेष योगदान रहा।

महावीर इंटरनेशनल कुचामन केंद्र को रीजन-3 में 'सर्वश्रेष्ठ केंद्र' का सम्मान

विजयनगर/कुचामन. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल संस्था की 'रीजन-3' की रीजनल काउंसलिंग का आयोजन विजयनगर कृषि मंडी में किया गया। जैनीबाई भुरामल सिंघवी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 24वें विशाल निःशुल्क नेत्र जाँच, लेंस प्रत्यारोपण एवं दिव्यांग शिविर के दौरान कुचामन केंद्र को क्षेत्र के 30 केंद्रों में से सर्वश्रेष्ठ केंद्र के रूप में सम्मानित किया गया।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सी.ए. वीर अनिल जैन (दिल्ली), उपाध्यक्ष वीर महेंद्र कुमार जैन (फरीदाबाद), पूर्व आयकर आयुक्त वीर वी.एस. कोठारी, वीर पदम चंद जैन (अजमेर), वीर विनोद चोरड़िया, वीर नरेंद्र रांका और वीर ज्ञानचंद सिंघवी के सानिध्य में हुआ। इस अवसर पर अजमेर जोन चेयरपर्सन वीर बाबूलाल जैन, विजयनगर जोन चेयरपर्सन वीर तेजमल बुरड़, मसूदा विधायक, उप-जिला कलेक्टर, नगर परिषद सभापति एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी मंचासीन रहे।

इन्हें मिला सम्मान

कुचामन केंद्र की ओर से वीर सुभाष पहाड़िया के नेतृत्व में वीर कैलाश जैन, रामावतार गोयल, अजीत पहाड़िया, अशोक अजमेरा, सुभाष गंगवाल, सम्पत बगड़िया, संदीप पांड्या, विकास जैन और रमेश रॉबिन पहाड़िया को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वीरा इकाई की उपलब्धि

'गरिमा प्रोजेक्ट' के अंतर्गत उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी, वीरा मंजू पहाड़िया, बबीता अजमेरा और मीना पहाड़िया को भी सर्वश्रेष्ठ सेंटर के सम्मान से नवाजा गया।

- वीर सुभाष पहाडिया

जब तक प्राकृत भाषा जीवित है, तब तक संस्कृति जीवित है: प्राकृताचार्य श्री सुनीलसागर

गिरनारजी (जूनागढ़). शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली गिरनारजी में प्राकृताचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य एवं प्रेरणा से त्रिदिवसीय 'राष्ट्रीय प्राकृत भाषा विद्वत्संवाद' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन श्री समवसरण निर्मल ध्यान केंद्र में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नई दिल्ली) एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। विद्वत्संवाद को संबोधित करते हुए प्राकृताचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज ने कहाः 'प्राकृत भाषा केवल ग्रंथों की भाषा नहीं, बल्कि यह आत्मा की भाषा है। इसी भाषा में तीर्थंकरों की दिव्य ध्वनि प्रवाहित हुई, जिसने मानवता को अहिंसा और आत्मशुद्धि का मार्ग दिखाया। भाषा का संरक्षण ही वास्तव में हमारी आध्यात्मिक चेतना और संस्कृति का संरक्षण है।' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (जयपुर) के निदेशक डॉ. लोकमान्य मिश्र रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. ऋषभचन्द जैन फौजदार, डॉ. जिनेंद्र जैन (लाडनूं), डॉ. जय कुमार उपाध्ये, डॉ. जयकुमार जैन (सांगानेर), डॉ. दीनानाथ शर्मा एवं ब्र. सुमत भैया की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्वानों ने प्राकृत के शैक्षणिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला।

अकादमिक सत्र और शोध विमर्श

इस संवाद में देश के 120 से अधिक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के मर्मज्ञों और शोधार्थियों ने भाग लिया। तकनीकी सत्रों में प्राकृत साहित्य, आगमिक परंपरा और भाषाविज्ञान पर आधारित शोध-पत्रों का वाचन हुआ। शैक्षणिक सत्रों का निर्देशन डॉ. धर्मेंद्र कुमार जैन, डॉ. प्रभातकुमार दास एवं डॉ. सतेंद्र जैन ने किया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन डॉ. आशीष जैन आचार्य एवं डॉ. आशीष जैन बम्हौरी द्वारा किया गया। प्राकृत भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सात विद्वानों को 'प्राकृत प्रभावना पुरस्कार' से सम्मानित किया गयाः डॉ. शैलेश जैन (उदयपुर), पंडित लोकेश शास्त्री (गनोड़ा), डॉ. निर्मल जैन (ललितपुर), पंडित धर्मेंद्र जैन शास्त्री (उदयपुर), विजय जैन शास्त्री (शाहगढ़), पंडित अनिल जैन शास्त्री (सागर), श्रीमती सुरेखा संजय नरदे (महाराष्ट्र)। अधिवेशन के पुण्यार्जक श्री सौभाग्यमल राजेन्द्र कुमार जी कटारिया (अहमदाबाद) को विशेष उपाधि से अलंकृत किया गया।

पीएम श्री राउमावि रावतसर में CWSN विद्यार्थियों हेतु फिजियोथेरेपी कैंप व अभिभावक कार्यशाला संपन्न

रावतसर (नरेश सिगची). शाबाश इंडिया। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रावतसर में 'विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों' (CWSN) के लिए फिजियोथेरेपी कैंप एवं द्वितीय अभिभावक परामर्शदात्री कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को आवश्यक सहायक उपकरण भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में फिजियोथेरेपिस्ट पंकज जांगिड़ ने बच्चों की फिजियोथेरेपी की और अभिभावकों को बच्चों की विशेष देखभाल तथा नियमित अभ्यास संबंधी उपयोगी जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि निरंतर अभ्यास से इन बच्चों के शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ के मार्गदर्शन में तथा आरपी कुलदीप एवं अरिता पारीक के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में कुल 60 बच्चों और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 10 विद्यार्थियों को शिक्षण-अधिगम सामग्री और श्रवण यंत्र वितरित किए गए। प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ ने कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। ये शिविर न केवल बच्चों की शारीरिक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि अभिभावकों को भी सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष शिक्षक दिनेश सैनी, सचिन, कविता, मोहित शर्मा और माधव लखोटिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गिरनारजी में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत भाषा विद्वत्संवाद ऐतिहासिक रूप से संपन्न

गिरनारजी/जूनागढ़. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली गिरनारजी में प्राकृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार के उद्देश्य से आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत भाषा विद्वत्संवाद अत्यंत भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

आयोजन का स्वरूप और सान्निध्य

यह आयोजन श्री समवसरण, निर्मल ध्यान केंद्र, गिरनारजी में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नई दिल्ली) एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को प्राकृताचार्य सुनीलसागर जी महाराज ससंघ का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिनकी प्रेरणा से संपूर्ण वातावरण प्राकृत साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (जयपुर) के निदेशक डॉ. लोकमान्य मिश्र रहे।

विशिष्ट अतिथिः डॉ. ऋषभचन्द जैन फौजदार (दमोह), डॉ. जिनेंद्र जैन (लाडनूं), डॉ. जय कुमार उपाध्ये (श्रवणबेलगोला), डॉ. जयकुमार जैन (सांगानेर), डॉ. दीनानाथ शर्मा (गुजरात वि.वि.) एवं ब्र. सुमत भैया (गिरनारजी) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य संदेशः अतिथियों ने प्राकृत भाषा को भारतीय सांस्कृतिक चेतना की 'आत्मा' बताते हुए इसके शैक्षणिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला।

नवकार ग्रुप द्वारा आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम में भोजन सेवा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नवकार ग्रुप द्वारा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत 'आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम' में वृद्धजनों के लिए भोजन का आयोजन किया गया।

जन्मदिन के अवसर पर पुनीत कार्य

ग्रुप के अध्यक्ष श्री मोहनलाल गंगवाल ने जानकारी दी कि प्रोफेसर नरेश चन्द जैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनंदा जैन के सौजन्य से वृद्धाश्रम में रह रहे सभी 45 वृद्धजनों को आदरपूर्वक भोजन करवाया गया।

सम्मान एवं सहभागिता

इस अवसर पर ग्रुप के कार्याध्यक्ष श्री सुरेश जैन बांदीकुई एवं श्रीमती चन्द्रकांता छाबड़ा द्वारा प्रोफेसर नरेश चन्द जैन एवं उनकी धर्मपत्नी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कैलाश चन्द सेठी, अजीत कुमार जैन और ज्ञान चन्द जैन सहित ग्रुप के अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। सभी आगंतुक सदस्यों का अल्पाहार के साथ स्वागत किया गया। अंत में प्रोफेसर नरेश चन्द जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लायंस क्लब अजमेर आस्था को मिले 22 पुरस्कार; संभागीय अधिवेशन में 'सर्वश्रेष्ठ क्लब' घोषित

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल (3233 E-2) के संभाग प्रथम का संभागीय अधिवेशन 'अनुभूति-26' जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अंबेडकर सभागार में आयोजित किया गया। संभागीय अध्यक्ष लायन हरीश गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में लायंस क्लब अजमेर आस्था ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के दम पर कुल 22 पुरस्कार जीतकर संभाग में सर्वश्रेष्ठ क्लब होने का गौरव प्राप्त किया।

प्रमुख व्यक्तित्व और सम्मान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक लायन नरेंद्र भंडारी, विशिष्ट अतिथि प्रथम उप-प्रांतपाल लायन निशांत जैन एवं प्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग रहे।

व्यक्तिगत उपलब्धियाँ:

लायन ऑफ द रीजन: लायन अतुल पाटनी (संभाग का सर्वोच्च पुरस्कार)

भामाशाह अवार्ड: लायन राकेश पालीवाल

सर्वश्रेष्ठ लायन: लायन मधु पाटनी

बेस्ट प्रेसिडेंट: लायन मुकेश कर्णावट

बेस्ट सेक्रेटरी: लायन दिनेश शर्मा

बेस्ट कोषाध्यक्ष: लायन राकेश गुप्ता

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय अध्यक्ष: लायन रूपेश राठी। इसके अतिरिक्त लायन विनय लोढ़ा, अनिल छाजेड़, पदम चंद जैन, प्रकाश कांठेड़ और निलेश अग्रवाल को एप्रिसिएशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अतिशय क्षेत्र कैथुली में निर्यापक श्रमण मुनिश्री योगसागर महाराज की भव्य अगवानी

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

रविवार की दोपहर बेला में परम पूज्य ज्येष्ठ मुनिश्री 108 योगसागर जी महाराज ससंघ का रामगंजमंडी नगर से मंगल विहार हुआ। मुनिश्री ससंघ मंगल विहार करते हुए अतिशय क्षेत्र कैथुली पहुँचे, जहाँ भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ उनकी अगवानी की।

नम आँखों से विदाई और भक्तिमय पदविहार

रामगंजमंडी नगर से विदाई के समय भक्तों की आँखें नम थीं। लगभग 16 किलोमीटर के इस मंगल विहार में नगर एवं दूर-दराज से आए सैकड़ों श्रद्धालु गुरुदेव के साथ पैदल चले। जैसे ही महाराज श्री क्षेत्र की सीमा पर पहुँचे, गगनभेदी जयकारों के साथ उन्हें मंदिर जी तक लाया गया। क्षेत्र के प्रवेश द्वार पर कैथुली क्षेत्र कमेटी द्वारा गुरुदेव का पाद-प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की गई।

अतिशयकारी पार्श्वनाथ प्रभु के दर्शन

क्षेत्र पर पहुँचने के उपरांत मुनिश्री ससंघ ने अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन किए। प्रतिमा की सौम्यता को निहारते हुए मुनिश्री ने वहाँ बैठकर काफी समय तक ध्यान लगाया। समस्त मुनि संघ अतिशय युक्त प्रतिमा के दर्शन कर भावविभोर हो गया। मुनिश्री योगसागर जी महाराज का इस क्षेत्र पर यह प्रथम आगमन है। क्षेत्र कमेटी के सुनील जैन ने बताया कि सोमवार को गुरुदेव ससंघ की मंगल आहारचर्या क्षेत्र पर ही संपन्न होगी।

जकार्ता में भारतीय पारंपरिक खेल एवं पतंग महोत्सव संपन्न, भारतीय सांस्कृतिक समिति इंडोनेशिया का सफल आयोजन

जकार्ता (इंडोनेशिया). शाबाश इंडिया

'संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम' के वैदिक सूत्रवाक्य को चरितार्थ करते हुए जकार्ता में मकर संक्रांति के अवसर पर 'इंडियन ट्रेडिशनल गेम एंड पतंग फेस्टिवल' का भव्य आयोजन हुआ। भारतीय सांस्कृतिक समिति इंडोनेशिया के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम जकार्ता के एक प्रतिष्ठित विद्यालय के विशाल प्रांगण में संपन्न हुआ, जहाँ सांस्कृतिक सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला। मधु ललित बाहेती ने बताया कि इस विराट आयोजन में इंडोनेशिया के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा संगठनों ने समन्वित सहयोग प्रदान किया। संघ विचार परिवार से जुड़े संगठनों और स्वयंसेवकों ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ अपना अमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम के सह-संयोजक अरविंद किरण लड्ढा ने बताया कि महोत्सव में 981 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो इसकी लोकप्रियता का जीवंत प्रमाण है।

पारंपरिक खेलों से जुड़ी नई पीढ़ी

पतंग उत्सव के दौरान जकार्ता का आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से इंद्रधनुषी छटा में सराबोर हो गया। इसके साथ ही पारंपरिक भारतीय खेलों ने सभी का मन मोह लिया:

प्रमुख खेल: कबड्डी, खो-खो, गिल्ली-डंडा, सतोलिया, लट्टू और रस्साकशी।

इन खेलों के माध्यम से बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिला।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वयंसेवकों के रूप में सेवाभाव से कार्य कर सामाजिक संपर्क का एक सुंदर सेतु निर्मित किया।

- आजाद शेरवानी

कवि हरीश शर्मा को मिला भारत सरकार का 'रघुराज पीलमैन फाउंडेशन अवार्ड'

लक्ष्मणगढ़ (सीकर). शाबाश इंडिया। कस्बा निवासी एवं 'बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ' अभियान के संस्थापक अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स के अधीन रघुराज पीलमैन फाउंडेशन द्वारा 'ग्लोबल ह्यूमन राइट एंड ग्रीन वारियर अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। कवि शर्मा को यह सम्मान उनके द्वारा चलाए जा रहे जन-जागृति अभियान और पर्यावरण संरक्षण की मुहिम के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो पर्यावरण और मानवता के कल्याण हेतु उत्कृष्ट कार्य करते हैं। यह अवार्ड फाउंडेशन के फाउंडर एवं सीईओ डॉ. रघुराज, डायरेक्टर रजनी मेन्द्रे और नितेश कुमार द्वारा प्रदान किया गया। शर्मा पिछले कई वर्षों से वृक्षारोपण और पौधों के वितरण का वृहद अभियान चला रहे हैं। वे लोगों को उनके जन्मदिन या अन्य विशेष अवसरों पर पेड़ लगाने के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता जगाते हुए वे संदेश देते हैं कि 'घायल व्यक्ति का वीडियो न बनाकर, उसे समय पर अस्पताल पहुँचाकर मानवता का धर्म निभाएँ।'

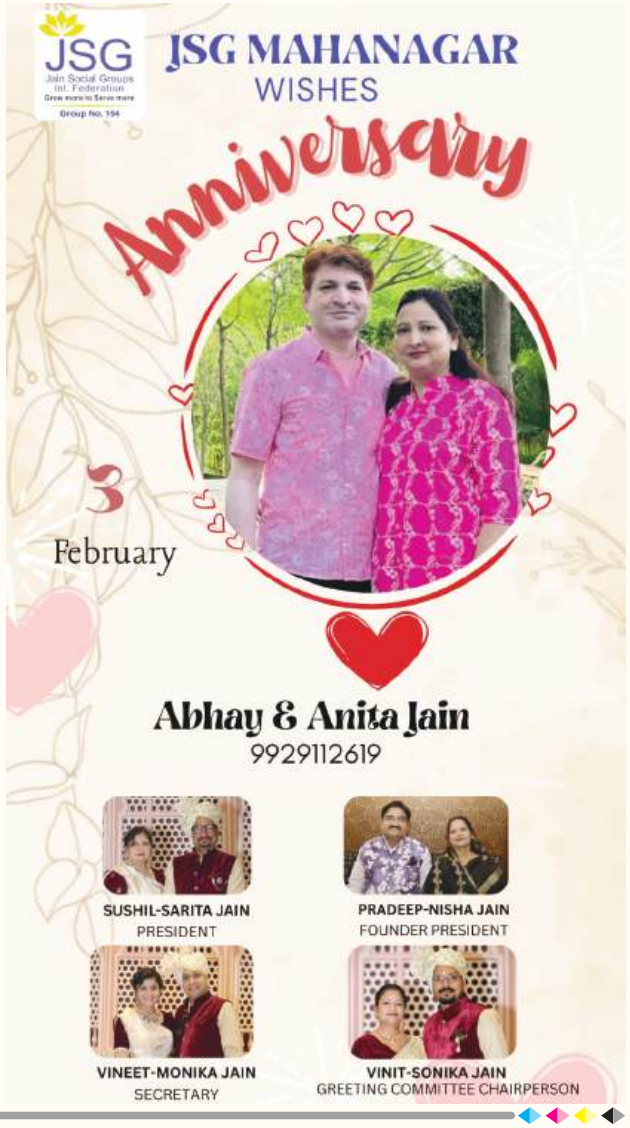

साधुता की आड़ में सत्ता का खेलः आगमों की कसौटी पर आज का जैन समाज

जैन आगमों में साधु की परिभाषा अत्यंत स्पष्ट है—जो राग, द्वेष, संग्रह और अहंकार से मुक्त होकर आत्मशुद्धि के मार्ग पर चलता है, वही साधु है। आचारांग सूत्र और दशवैकालिक सूत्र बार-बार उद्घोष करते हैं कि साधु का सबसे बड़ा आभूषण उसकी 'निर्लिप्तता' है, न कि उसका प्रभाव। लेकिन आज जैन समाज जिस दोराहे पर खड़ा है, वहाँ चाहे नग्न साधु हों या श्वेत वस्त्रधारी—दोनों ही परंपराओं में साधुता का अर्थ साधना से हटकर 'सत्ता और नियंत्रण' बनता जा रहा है। विडंबना यह है कि आज वस्त्र या नग्नता को ही साधुता का प्रमाण मान लिया गया है, जबकि आगम स्पष्ट कहते हैं कि बाह्य चिह्न नहीं, अपितु 'आचरण' ही साधुता का एकमात्र मापदंड है।

दशवैकालिक सूत्र का भावार्थ है कि जो साधु प्रशंसा से प्रसन्न और आलोचना से व्याकुल हो जाए, वह अभी साधुता से कोसों दूर है। वर्तमान स्थिति यह है कि प्रश्न करने वाला श्रावक अपराधी बना दिया जाता है। दोनों ही परंपराओं के साधु वर्ग में आलोचना के प्रति एक भय दिखाई देता है। समाज को यह सिखाया जा रहा है कि साधु से सवाल मत करो, क्योंकि सवाल करने से धर्म कमजोर होता है। यह विचार आगमिक दर्शन के पूर्णतः विपरीत है। जैन दर्शन तर्क और विवेक का धर्म है। स्वयं महावीर स्वामी ने कहा था— 'श्रद्धा विवेक के साथ हो, अंधी नहीं।' जो साधु प्रश्न से डरता है, वह आत्मचिंतन नहीं, अपितु अपना 'सांप्रदायिक प्रभाव' बचा रहा होता है।

आचारांग सूत्र में साधु के लिए स्पष्ट निर्देश है कि वह किसी भी प्रकार के संग्रह, प्रभाव या निर्णयात्मक सत्ता से दूर रहे। किंतु आज साधु यह तय करने लगे हैं कि कौन ट्रस्टी रहेगा, कौन हटेगा, किस समिति को मान्यता मिलेगी और किसका बहिष्कार होगा। यह साधु का दायित्व नहीं, अपितु एक प्रशासक का कार्य है। जब साधु अपने निर्णय थोपने लगे, तो वह आगमिक मयार्दा का उल्लंघन करता है। शास्त्र कहते हैं कि साधु 'उपदेश' दे सकता है, 'आदेश' नहीं। उत्तराध्ययन सूत्र के अनुसार, साधु को धन और व्यवस्था से दूरी रखनी चाहिए, क्योंकि जहाँ धन और सत्ता आती है, वहाँ राग-द्वेष स्वतः प्रवेश कर जाते हैं। आज तीर्थों और संस्थाओं में जो कुछ हो रहा है, वह इस सिद्धांत का खुला उल्लंघन है। पारदर्शिता का अभाव, धन के निर्णय बंद कमरों में होना, समितियों की मनमानी और ट्रस्टियों का निरंकुश व्यवहार—इन सब पर साधु वर्ग का मौन क्या दशार्ता है? यह मौन संयम नहीं, अपितु मूक सहमति और सहभागिता है। आगमों में स्पष्ट कहा गया है कि जहाँ अन्याय हो रहा हो और साधु मौन रहे, वहाँ वह मौन भी उस दोष का भागीदार बन जाता है। समाज के तथाकथित 'आगेवानों' (नेताओं) की भूमिका पर भी आगम कठोर हैं। श्रावक का कर्तव्य धर्म की रक्षा करना है, न कि व्यक्तियों की। परंतु आज के आगेवान साधुओं के दरबार में खड़े दिखाई देते हैं। उन्हें चिंता इस बात की है कि किस साधु के साथ मंच मिलेगा, किसके आशीर्वाद से राजनीतिक पहचान चमकेगी या किसकी ओट में व्यापार चलेगा। ये प्रतिनिधि अब समाज के नहीं, बल्कि निजी हितों के संरक्षक बन चुके हैं। आगम कहते हैं कि जो व्यक्ति सत्य जानते हुए भी चुप रहता है, वह भी असत्य का ही पक्षधर है।

सबसे बड़ा शोषण उस साधारण श्रावक का हो रहा है, जो दान देता है और तीर्थों के लिए सर्वस्व न्योछावर करता है, लेकिन निर्णयों की प्रक्रिया से उसे बाहर रखा जाता है। उसे केवल आदेश मिलते हैं—कभी चुप रहने के, तो कभी अंध-समर्थन के। यह 'आगमिक समाज' नहीं, बल्कि 'अनुयायियों की भीड़' है। और जब समाज भीड़ में बदल जाता है, तो धर्म व्यापार बन जाता है—चाहे वह नग्नता की आड़ में हो या श्वेत वस्त्र की। यह लेख किसी व्यक्ति या संप्रदाय के विरुद्ध नहीं है, बल्कि उस 'प्रवृत्ति' के विरुद्ध है जो आगमों को मंच पर रखकर व्यवहार में उन्हें रौंद देती है। वस्त्र या नग्नता मात्र साधन हो सकते हैं, साध्य नहीं। साधुता का वास्तविक प्रमाण केवल आचरण है, और आचरण की श्रेष्ठता इस बात में है कि आप सत्ता से कितनी दूरी रखते हैं। जिन साधुओं या आगेवानों को यह लेख असहज कर रहा है, उन्हें इसे अपमान नहीं बल्कि 'आत्ममंथन' समझना चाहिए। अब समय आ गया है कि साधु वर्ग मंच से नीचे उतरकर आगमों के समक्ष खड़ा हो, और आगेवान यह तय करें कि वे समाज के सेवक रहेंगे या व्यक्तियों के रक्षक। याद रहे, धर्म का पतन बाहर से नहीं, भीतर की चुप्पी से होता है। जैन समाज शास्त्रों से जुड़ा समाज है, और जब वह जागता है, तो सिर्फ सवाल नहीं करता, व्यवस्था बदल देता है।

— नितिन जैन

दुगार्पुरा दिगम्बर जैन महिला मण्डल द्वारा राजकीय विद्यालय में सामाजिक सेवा कार्य संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन महिला मण्डल, दुगार्पुरा द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए महात्मा गांधी राजकीय बालिका विद्यालय, दुगार्पुरा में छात्र-छात्राओं की सुविधा हेतु महत्वपूर्ण सामग्री भेंट की गई।

सुविधाओं का विस्तार और भविष्य का संकल्प

महिला मण्डल ने विद्यालय की वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए विद्यार्थियों के बैठने हेतु रूम साइज की मोटी सूती दरियाँ भेंट कीं। इसके साथ ही, आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में सीलिंग फैन (छत के पंखे) लगवाने का भी निर्णय लिया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीति आहूजा, रजनी मीणा एवं अन्य शिक्षिकाओं ने जैन समाज की महिलाओं की इस निःस्वार्थ सेवा भावना की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

प्रेरक उद्बोधन

मण्डल की मंत्री रानी सोगानी एवं वर्षा अजमेरा ने अपने संबोधन में विश्वास दिलाया कि विद्यालय में आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने हेतु मण्डल भविष्य में भी अपना सहयोग जारी रखेगा।

इस अवसर पर जैन बैंकर्स, जयपुर के अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा भी विशेष रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को किसी भी परिस्थिति में निजी स्कूलों के छात्रों से पीछे नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी प्रतिभा से श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करना चाहिए।

दिगंबर जैन महासमिति द्वारा गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी की भव्य मंगल अगवानी

पदमपुरा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी का भव्य मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं अपार उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने माताजी की भव्य अगवानी की।

महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता

दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमान सुरेंद्र जी पांड्या के आह्वान पर महासमिति की लगभग 80 महिलाओं ने इस कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। आयोजन का सफल नेतृत्व राजस्थान महिला आंचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने किया।

भक्तिमय वातावरण और आयोजन

भजनों की मधुर स्वर लहरियों के बीच नाचते-गाते श्रद्धालुओं ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। महासमिति द्वारा माताजी की मंगल अगवानी के साथ-साथ:

भोजन व्यवस्था: आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित भोजन का प्रबंध किया गया।

मंगल आरती: माताजी के प्रवेश के उपरांत भक्तिभाव से मंगल आरती का आयोजन हुआ।

प्रमुख उपस्थिति

इस अवसर पर महासमिति की सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल, धार्मिक मंत्री श्रीमती अनीता जैन, बीना शाह (प्रताप नगर), कविता जैन (सेक्टर 17) सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित और सफल रहा।

विकासोन्मुखी बजट: 2047 के विकसित भारत का रोडमैप: सुरेंद्र कुमार जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री एवं 'अग्रसेन ग्रेनाइट एंड स्टोन' के निदेशक व प्रमुख स्टोन निर्यातक सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या ने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट को उन्होंने विकासोन्मुखी करार देते हुए कहा कि यह भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

विकसित भारत का लक्ष्य: श्री पांड्या ने कहा कि यह बजट वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को सिद्ध करने वाला है।

एमएसएमई क्षेत्र पर जोर: बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

नया फंड और रोजगार: एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के नए फंड का प्रावधान सराहनीय है। इससे न केवल उद्योगों को मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसरों का सृजन भी होगा।

रक्षा और चिकित्सा: उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर दिए गए विशेष जोर की भी प्रशंसा की।

सुरेंद्र कुमार जैन के अनुसार, यह बजट देश की बुनियादी संरचना को मजबूत करने और वैश्विक पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है।

जयपुर में IFGIAA राजस्थान कार्यकारिणी एवं आजीवन सदस्यों का अधिवेशन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

होटल गोल्डन ट्यूलिप एसेंशियल, जयपुर में 'इंडियन फेडरेशन ऑफ जनरल इंश्योरेंस एजेंट एसोसिएशन' (IFGIAA) के राजस्थान कार्यकारिणी एवं आजीवन सदस्यों का राज्य स्तरीय अधिवेशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में राजस्थान के विभिन्न जिलों से लगभग 75 कार्यकारिणी व आजीवन सदस्यों ने सहभागिता की।

प्रमुख अतिथियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति

अधिवेशन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं राष्ट्रीय सचिव श्री सुधीर गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। राजस्थान रीजन के नेतृत्व में निम्नलिखित पदाधिकारी मौजूद रहे:

अध्यक्ष: श्री रविंद्र गौड़

सचिव एवं मंच संचालक: श्री सुनील सैनी

कोषाध्यक्ष: श्री सौरभ गोधा

उपाध्यक्ष: श्री आलोक श्रीवास्तव (जयपुर), श्री रवि व्यास (जोधपुर), श्री गोपाल दानी (ब्यावर)

संरक्षक: श्री सुनील शर्मा

जोधपुर डिवीजन: अध्यक्ष श्री पुखराज प्रजापति एवं सचिव श्री भंवर लाल चौधरी

इसके साथ ही सांस्कृतिक सचिव श्रीमती मनु बाजोरिया, सह-कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र जोशी, ऑर्गेनाइजिंग सचिव श्री देवेंद्र उपाध्याय, श्री ज्ञानेंद्र गुप्ता, श्री राजेंद्र कपूर, श्री अजय घील और आईटी इंचार्ज श्री आदित्य व्यास सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से संवाद

अधिवेशन में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की और अभिकताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना:

यूनाइटेड इंडिया: डीजीएम श्री आलोक जैन एवं आरएम श्री दिलीप गुप्ता

ओरिएंटल इंश्योरेंस: डीजीएम श्री संजय जैन

न्यू इंडिया इंश्योरेंस: आरएम श्री बृजराज सिंह

अधिकारियों ने अभिकर्ताओं की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया और भविष्य में बीमा क्षेत्र में होने वाले तकनीकी व नीतिगत परिवर्तनों की जानकारी दी, ताकि अभिकर्ता अपने व्यवसाय में वृद्धि कर सकें।

विशेष प्रस्तुति एवं सम्मान

सृष्टि हॉस्पिटल (जगतपुरा, जयपुर) से आए श्री अमन शर्मा ने चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों एवं सदस्यों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

समापन एवं आभार

अधिवेशन के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं राष्ट्रीय सचिव श्री सुधीर गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए संगठन की भविष्य की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन (Vote of Thanks) बाड़मेर से पधारे श्री अक्षय सिंह चारण द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में होटल गोल्डन ट्यूलिप के श्री तेज सिंह एवं स्टाफ का भी विशेष सहयोग रहा।

महावीर इंटरनेशनल नौगामा की पहलः अब अमेरिका के न्यूजर्सी में भी खुलेगी संस्था की नई शाखा

बांसवाड़ा (नौगामा). शाबाश इंडिया

मानव सेवा और 'सबकी सेवा-सबको प्यार' के संकल्प को वैश्विक स्तर पर विस्तार देते हुए महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा ने संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूजर्सी में अपनी नई शाखा खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

न्यूजर्सी में गूँजे सेवा के प्रकल्प

शाखा के संरक्षक डॉ. अजीत गांधी ने न्यूजर्सी के जालाराम सभागार में आयोजित एक विशेष सत्र में संस्था के वैश्विक सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सी.ए. अनिल जैन के नेतृत्व में महावीर इंटरनेशनल संपूर्ण भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। डॉ. गांधी ने वहां उपस्थित प्रवासियों के समक्ष न्यूजर्सी में नई शाखा शुभारंभ करने का औपचारिक प्रस्ताव रखा।

नौगामा शाखा के कार्यों की वैश्विक सराहना

डॉ. गांधी ने नौगामा शाखा द्वारा संचालित सेवा कार्यों का ब्यौरा देते हुए बताया कि संस्था द्वारा नियमित रूप से:

रक्तदान शिविर और नेत्र जांच शिविर का आयोजन। नवजात शिशुओं के लिए 'बेबी किट' और जीवन रक्षक किट का वितरण। पक्षियों के लिए दाना-पानी और परिंदा वितरण अभियान। वर्ष पर्यंत चिकित्सा जांच शिविर और 'ई-चौपाल' के माध्यम से ज्ञान साझा करना।

उदयपुर रीजन के नेतृत्व की चर्चा

इस अवसर पर उन्होंने उदयपुर रीजन में संस्था को मजबूती देने वाले अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम राठौड़, अंतरराष्ट्रीय निदेशक अजीत कोठिया, गवर्निंग काउंसिल सदस्य सुरेश चंद्र गांधी और जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने नौगामा में हाल ही में संपन्न हुए 'जोनल मंथन शिविर' की सफल सूचनाओं को भी अमेरिका के लोगों के साथ साझा किया।

न्यूजर्सी में केंद्र स्थापना का संकल्प

आयोजन में उपस्थित प्रमुख महानुभावों, जिनमें निमि अशोक जैन (कोलकाता), मिहिर शाह, भरत भाई रंगोलिया, पदमा बेन, और वीरा मंजुला गांधी शामिल थे, ने संस्था के प्रकल्पों की प्रशंसा की। सभी ने सर्वसम्मति से अतिशीघ्र न्यूजर्सी में नया केंद्र स्थापित करने का संकल्प लिया।

सच्ची भक्ति वही, जो ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास और समर्पण से की जाएः मुनि विकसंत सागर

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय मुनि विकसंत सागर महाराज के पावन सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला उत्साहपूर्वक जारी है। रविवार प्रातः काल श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के साथ भव्य मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुईं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावकों ने धर्म-लाभ लिया।

श्रद्धा और भक्ति एक-दूसरे के पूरक

धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने 'सच्ची भक्ति' के मर्म को समझाया। उन्होंने कहा, तीर्थंकर भगवान वे हैं जिन्होंने क्रोध, छल, लोभ और समस्त इच्छाओं पर पूर्ण विजय प्राप्त कर ली है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही मानव का कल्याण संभव है। भक्ति केवल क्रिया नहीं, बल्कि ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास और पूर्ण समर्पण का नाम है। मुनि श्री ने आगे विस्तार देते हुए कहा कि श्रद्धा ज्ञान की नींव है और भक्ति उस ज्ञान का अनुभव है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं; बिना श्रद्धा के भक्ति संभव नहीं और बिना भक्ति के श्रद्धा फलदायी नहीं होती।

मुनि संघ को श्रीफल भेंट कर किया गया आग्रह

प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के दौरान श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, चंद्रशेखर आजाद नगर के सचिव नंदलाल झांझरी एवं अन्य वरिष्ठ समाजजनों ने उपाध्याय मुनि श्री को श्रीफल भेंट किया। समाज के प्रतिनिधियों ने मुनि संघ से चंद्रशेखर आजाद नगर में मंगल विहार और प्रवास का भावपूर्ण आग्रह किया। इस अवसर पर भीलवाड़ा के विभिन्न क्षेत्रों से आए धर्मालुगणों की भारी उपस्थिति रही, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया।

विमर्श जागृति मंच के अध्यक्ष चुने गए संजय सिंघई

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था विमर्श जागृति मंच का वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं निर्वाचन कार्यक्रम रविवार को स्थानीय विकास गार्डन में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामय आयोजन में संस्था की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें समाज सेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए श्री संजय जैन सिंघई को सत्र 2025-27 के लिए सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

निर्वाचन प्रक्रिया और संकल्प

सम्मेलन का शुभारंभ महामंत्र णमोकार के सामूहिक पाठ के साथ हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष अनूप बाबू की उपस्थिति में निर्वाचन अधिकारी सुभाष जैन 'कैंची', महेंद्र जैन 'कडेसरा', विनोद जैन 'भारिल्ल' और शिखर बड़कुल ने चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराई। संचालन करते हुए महेंद्र कडेसरा ने कहा कि विमर्श जागृति मंच की अपनी एक विशिष्ट पहचान है और संस्था भविष्य में भी सेवा के संकल्प को पूरी निष्ठा से दोहराएगी। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन 'कैंची' ने संस्था के लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि संस्था संतवाद और पंथवाद से ऊपर उठकर पूर्णतः निष्पक्ष होकर समाज सेवा के कार्यों में विश्वास रखती है।

सांस्कृतिक रंग और सपरिवार उपस्थिति

विमर्श जागृति महिला मंच की अध्यक्ष वैशाली बाँझल के नेतृत्व में महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसने सम्मेलन में उत्साह भर दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंघई ने अपनी इस नई जिम्मेदारी के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और आगामी सत्र में अधिक सक्रियता से कार्य करने का भरोसा दिलाया। सम्मेलन का समापन विनोद भारिल्ल द्वारा व्यक्त किए गए आभार और सामूहिक 'वात्सल्य भोज' के साथ हुआ।